



**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**  
भारत मौसम विज्ञान विभाग  
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय  
कानपुर, उत्तर प्रदेश



## मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 13-05-2025

कानपुर-देहात(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-05-13 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-05-14	2025-05-15	2025-05-16	2025-05-17	2025-05-18
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	41.0	43.0	44.0	45.0	45.0
न्यूनतम तापमान(से.)	27.0	28.0	28.0	30.0	29.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	41	40	40	40
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	18	16	15	16	18
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	7	10	13	10	7
पवन दिशा (डिग्री)	305	284	283	292	315
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	1	2	2	3
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	लू	लू

### पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पांच दिनों में हल्के से मध्यम बादल छाए रहेंगे, लेकिन बारिश की कोई संभावना नहीं है। अधिकतम तापमान 41.0-45.0 डिग्री सेल्सियस के बीच है, जो सामान्य से 3-4 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है तथा न्यूनतम तापमान 27.0-29.0 डिग्री सेल्सियस के बीच है, जो सामान्य से 2-3 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता की अधिकतम और न्यूनतम सीमा 40-41 और 15-18% के बीच है। हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम है और हवा की गति 7.0-13.0 किमी प्रति घंटे के बीच है, जिसमें सामान्य से 6-7 किमी प्रति घंटे की गति से हवा चलने की संभावना है।

### मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पांच दिनों में लू चलने की चेतावनी है।

### मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

मौसम की स्थिति को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे गर्मी की लहर बचाव हेतु खड़ी फसलों में सिंचाई का कार्य प्रातःकाल एवं दोपहर के समय न करें। सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे के बीच खेतों पर कोई कार्य न करें तथा खड़ी फसलों में हल्की सिंचाई 7-8 दिन के अन्तराल पर सायंकाल के समय करें। पशुओं को सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे तक चरने लिए बाहर न छोड़ें। पशुओं को सुबह - शाम नहलायें। भीषण गर्मी को देखते हुए किसान भाई खेत में कार्य करते समय थोड़ी-थोड़ी देर पर पानी पीते रहें। दोपहर के वक्त अनावश्यक घर से बाहर न निकले यदि आवश्यक कार्य है तो सिर पर गमछा बाँध कर ही घर से बाहर निकले।

### सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खड़ी सब्जियों एवं फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनायें रखें। खेत में कार्य करते समय सिर पर गमछा बांधें एवं पानी की बोतल अवश्य साथ में रखें। भीषण गर्मी को देखते हुए पशुओं को दिन में 3-4 बार पानी पिलायें और सुबह-शाम नहलायें। कीटनाशी, रोगनाशी एवं खरपतवार नाशी रसायनों के लिए अलग-अलग अथवा उपकरणों को साफ पानी से धोकर ही प्रयोग करें तथा कीटनाशी, रोगनाशी एवं खरपतवार नाशी रसायनों का छिड़काव हवा के विपरीत दिशा में खड़े होकर छिड़काव या बुरकाव न करें। छिड़काव यथा सम्भव हो तो सायंकाल के समय करें, छिड़काव के बाद खाने-पिने से पूर्व हाथों को साबुन या हैंड वाश से अच्छी तरह से धो लेना चाहिए तथा कपड़ों को धोकर नहा लेना चाहिए।

### लघु संदेश सलाहकार:

धूप से बचाव हेतु दिन के समय घर से बाहर निकलने पर सर के ऊपर छाता, टोपी या सूती गमछे से ढक लें। खड़ी फसलों को शाम के समय 7-8 दिनों के अंतराल पर सिंचाई करें।

### फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
मक्का	मक्के की फसल जीरा निकलने/भुट्टा बनने/दाना भरने की अवस्था पर चल रही है जो नमी के कमी के प्रति संवेदनशील है। अतः आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनायें रखें। मक्के की फसल में तना बेधक/प्ररोह मक्खी कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एस जी 200 ग्राम/हेक्टेयर अथवा डाइमैथोएट 30% ईसी 1.0 लीटर/हेक्टेयर की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
काला चना	उर्द की फसल फूल से फली बनने की अवस्था पर चल रही है जो नमी के कमी के प्रति संवेदनशील है। अतः आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनायें रखें। उर्द की फसल में फली बेधक कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एस जी 220 ग्राम/हेक्टेयर या डाइमैथोएट 30% ई.सी. 1.0 लीटर/हेक्टेयर की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव आसमान साफ होने पर करें।
मूँग	मूँग की फसल में आवश्यकतानुसार 10-12 दिन के अन्तराल पर हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनाए रखें। मूँग की फसल में थ्रिप्स/हरे फुदके कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु आक्सीडेमेटान-मिथाइल 25% ईसी या डाइमैथोएट 30% ईसी 1.0 लीटर/हेक्टेयर की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
मक्का	खरीफ मक्का की बुवाई पलेवा करने के पश्चात ही खेत की तैयारी करें, साथ ही उन्नतशील संस्तुति संकुल प्रजातियां- कंचन, गौरव, स्वेता, आजाद उत्तम एवं संकर प्रजातियां- प्रकाश,वाई -1402, बायो-9681, प्रो -316, डी -9144, दिकाल्ब- 7074, पीएचबी- 8144, दक्कन 115, एम.एम.एच.-133 आदि में से एक किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए खाद एवं बीज की व्यवस्था करें। मक्के की संकुल प्रजाति की बुवाई के लिए 20-25 किलोग्राम बीज/हेक्टेयर तथा शंकर प्रजाति 18-20 किलोग्राम बीज/हेक्टेयर की दर से बुवाई करें।

### बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
बैंगन	कद्दू, लौकी, तरौई, करैला, खीरा, ककड़ी, तरबूज, खरबूजा आदि तैयार फसलों की तुड़ाई कर बाजार भेजे। सब्जियों की फसलों में फल छेदक/पत्ती छेदक कीट की रोकथाम हेतु नीम आयल 1.5-2.0 मिली/लीटर पानी में घोल बनाकर 3-4 छिड़काव 8-10 दिन के अन्तराल पर करें। सब्जियों की खड़ी फसलों में निराई - गुड़ाई करें तथा सिंचाई का कार्य 8-10 दिन के अन्तराल पर शाम के समय करें।
आम	नये बागों की रोपाई के लिए गड्डो की खुदाई करें। आम, अमरूद, नींबू बेर, अंगूर, पपीता व लीची आदि के बागों में सिंचाई का कार्य करें। आम के फलों को गिरने से बचाने के लिए बागों की सिंचाई करें अथवा एल्फा नेफथलीन एसिटिक एसिड के 4.5 एस.एल. के 20 मिली प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आम के फलों में कोयलिया विकार या आंतरिक सड़न रोग की रोकथाम हेतु बोरेक्स 0.8 प्रतिशत 0.8 ग्राम/लीटर पानी में घोल बनाकर 10 दिन के अन्तराल पर 2 छिड़काव करें।

### पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	वर्तमान मौसम को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुओं को रात के दौरान खुले में बांधें। पशुओं को दिन के समय छायेदार स्थान पर बांधे या पेड़ के नीचे पशुओं को न बांधें क्योंकि इस सप्ताह हवाओं की गति सामान्य से तेज चलने के कारण पेड़ / पेड़ों की टहनियों के गिरने की सम्भावना अधिक रहती हैं। पशुओं को खुरपका-मुँहपका रोग की रोकथाम हेतु एफ.एम.डी. वैक्सीन तथा लगड़िया बुखार से बचाव हेतु वी.क्यू. वैक्सीन से टीकाकरण कराये। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन में ३-४ बार अवश्य पिलायें। गर्भित पशुओं को ढलान वाले स्थान पर न बांधें। पशुओं को पेट में कीड़ा की रोकथाम के लिए कृमिनाशक दवा देने का उचित समय है।

#### मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। मुर्गियों के पेट में कीड़ा की रोकथाम (डिवमिग) के लिए दवा दें। मुर्गियों को गर्मी से बचाव हेतु गर्मी हाउस में पर्दे, पंखे और वेंटिलेशन की व्यवस्था करें। मुर्गियों को गर्मी से बचाने के लिए मुर्गी घर में लगे हुए जुट के पर्दों पर पानी के छींटे मारे जिससे ठंडक बनी रहे।

#### अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
कृषि क्षेत्र	गेहूँ व अन्य फसलों से खाली खेतों की गहरी जुताई डिस्क प्लाउ से करें ताकि जमीन के अन्दर छिपे हुए हानिकारक कीटों के अण्डे व लार्वा धूप में नष्ट हो जायें।

#### मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पांच दिनों में लू चलने की चेतावनी है।
--

#### प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

मौसम की स्थिति को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे गर्मी की लहर बचाव हेतु खड़ी फसलों में सिंचाई का कार्य प्रातःकाल एवं दोपहर के समय न करें। सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे के बीच खेतों पर कोई कार्य न करें तथा खड़ी फसलों में हल्की सिंचाई 7-8 दिन के अन्तराल पर सायंकाल के समय करें। पशुओं को सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे तक चरने लिए बाहर न छोड़ें। पशुओं को सुबह - शाम नहलायें। भीषण गर्मी को देखते हुए किसान भाई खेत में कार्य करते समय थोड़ी-थोड़ी देर पर पानी पीते रहे। दोपहर के वक्त अनावश्यक घर से बाहर न निकले यदि आवश्यक कार्य है तो सिर पर गमछा बाँध कर ही घर से बाहर निकले।
---